

# BALLIA SANDESH

ई-पत्रिका



01-11-2017 To 30-11-2017

Volume-23



श्री संतोष कुमार मिश्रा  
(अधिशायी अधिकारी)

नगर पालिका परिषद, बलिया के नगरवासियों को नवम्बर 2017 के ई-पत्रिका बलिया संदेश में स्वागत है। नवम्बर माह में हुये विकास कार्यों को ई-पत्रिका बलिया संदेश के द्वारा आपसब को बताना चाहता हूँ। बलिया नगर पालिका प्रत्येक माह ई-पत्रिका बलिया संदेश के द्वारा नगर पालिका में हुये विकास कार्यों को आपसब के सामने लाने का प्रयास करता हूँ, जिससे बलिया नगर पालिका परिषद के विकास और नई योजनाओं से लाभान्वित हो सके। नगर पालिका परिषद बलिया का एक मात्र उद्देश्य नगर पालिका का विकास है। जिसमे बिना किसी भेद-भाव, सभी समुदायों के लोगो को एकसाथ लेकर आगे बढ़ने का उद्देश्य है। जिसके लिए नगर पालिका परिषद बलिया के निवासियों को इसमें सहयोग महत्वपूर्ण है, और नगर पालिका इसका उम्मीद करता है। नगरवासियों से अपील है की नगर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में नगर पालिका की मदद करे। अपने आस-पास साफ-सुथरा रखे। कूड़ा-कचरा डस्टबिन में रखे, गन्दगी न फैलाये। आने वाला कल अच्छा हो इसके लिये आज बेहतर बनायें।







श्री संतोष कुमार मिश्रा  
(अधिराणी अधिकारी)

I am happy to present the November 2017 issue to all of you. A number of projects have been commissioned in the month of November. The former will help smoothen the flow of traffic, reduce the travel time of citizens, ease the congestion and reduce pollution on Nagar Palika Parishad Ballia's road. There have been a lot of lessons to learned and these insights will certainly stand in good stead with us in our endeavors in future. The one thing that stands out is the most active participation of citizens. We, the residence of the Nagar Palika Parishad Ballia respective of ages, castes, creeds, religions, localities have untidily participated in creation of Ballia's Swachh Nagar Palika Parishad proposal. As I look into the future with great expectation, it is this one aspect of the municipality which gives me the greatest hope. We in the Nagar Palika Parishad Ballia, would be very happy to receive your feedbacks on all matters that you feel are important..



## Nagar Palika Parishad Ballia

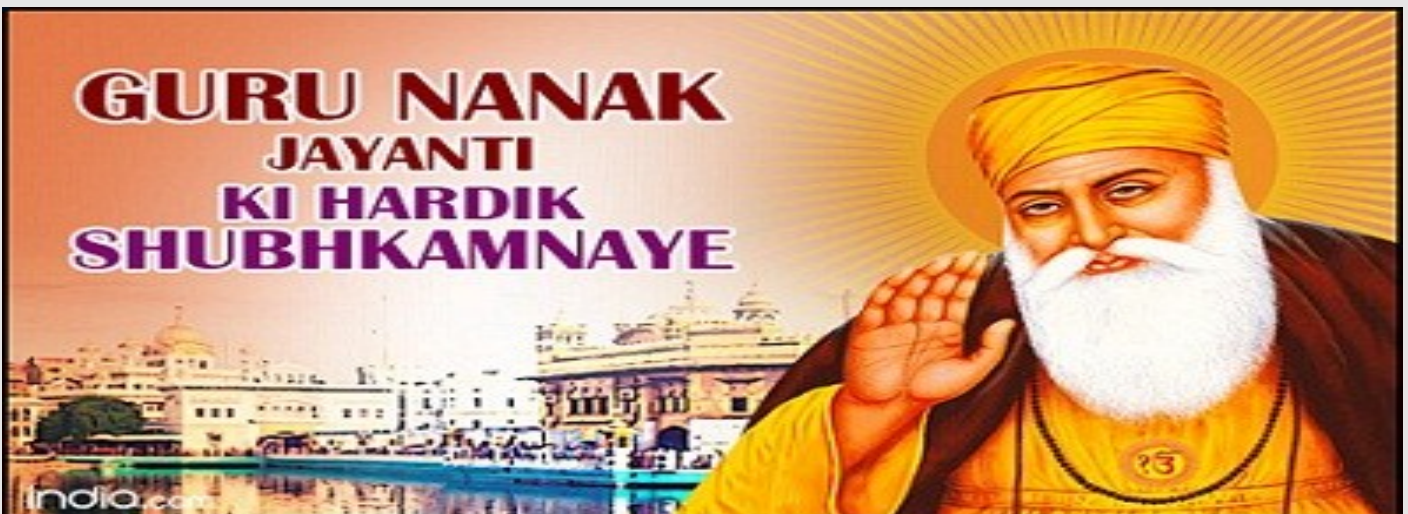
I am delighted to present the tasks and issue of Ballia Nagar Palika by e-Patrika Ballia Sandesh in November 2017. Nagar Palika Parishad Ballia is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Bharat Mission program. The coming times will surely be very hectic and eventful. Ballia promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Ballia should benefit Nagar Palika Parishad Ballia and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Ballia for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Ballia for supporting to develop Ballia.





# गुरु नानक जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ !

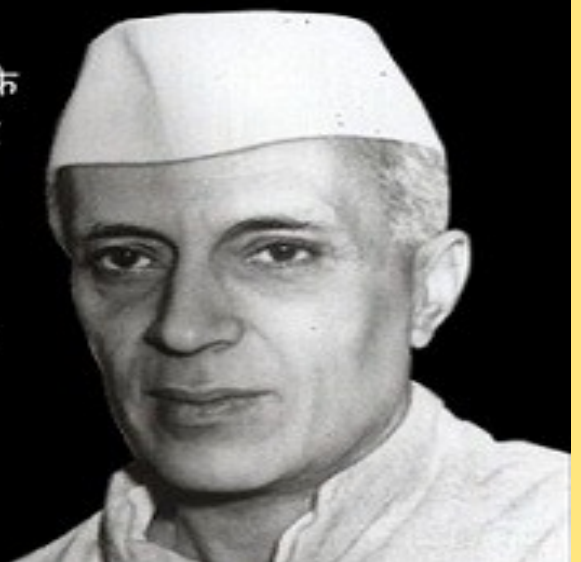
श्री गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1469 में गाँव तलवंडी, शेइखुपुरा डिस्ट्रिक्ट में हुआ जो की लाहौर पाकिस्तान से 65 KM पश्चिम में स्थित है। उनके पिता बाबा कालूचंद्र बेदी और माता त्रिपता ने उनका नाम नानक रखा। उनके पिता गाँव में स्थानीय राजस्व प्रशासन के अधिकारी थे। अपने बाल्य काल में श्री गुरु नानक जी ने कई प्रादेशिक भाषाएँ सिखा जैसे फारसी और अरबी। उनका विवाह वर्ष 1487 में हुआ और उनके दो पुत्र भी हुए एक वर्ष 1491 में और दूसरा 1496 में हुआ। वर्ष 1485 में अपने भैया और भाभी के कहने पर उन्होंने दौलत खान लोधी के स्टोर में अधिकारी के रूप में निकुक्ति ली जो की सुल्तानपुर में मुसलमानों का शासक था। वही पर उनकी मुलाकात एक मुस्लिम कवी के साथ हुई जिसका नाम था मिरासी। वर्ष 1496 में उन्होंने अपना पहला भविष्यवाणी किया - जिसमें उन्होंने कहा कि "कोई भी हिन्दू नहीं और ना ही कोई मुस्लिमान है" और कहा कि यह एक महत्वपूर्ण घोषणा है जो ना सिर्फ आदमी के भाईचारा और परमेश्वर के पितृत्व की घोषणा है, बल्कि यह भी स्पष्ट है की मनुष्य की प्राथमिक रुचि किसी भी प्रकार के अध्यात्मिक सिद्धांत में नहीं है, वह तो मनुष्य और उसके किस्मत में हैं। इसका मतलब है अपने पड़ोसी से अपने जितना प्यार करो। गुरु नानक जी ने अपने मिशन की शुरुवात मरदाना के साथ मिल के किया। अपने इस सन्देश के साथ साथ उन्होंने कमज़ोर लोगों के मदद के लिए ज़ोरदार प्रचार किया उन्होंने अपने सिद्धांतों और नियमों के प्रचार के लिए अपने घर तक को छोड़ दिया और एक सन्यासी के रूप में रहने लगे। उन्होंने हिन्दू और मुस्लिमान दोनों धर्मों के विचारों को सम्मिलित करके एक नए धर्म की स्थापना की जो बाद में सिख धर्म के नाम से जाना गया। भारत में अपने ज्ञान के प्रसार के लिए कई हिन्दू और मुस्लिम धर्म की जगहों का भ्रमण किया। पुरे भारत में अपने ज्ञान को बाँटने के पश्चात उन्होंने मक्का मदीना की भी यात्रा की और वहां भी लोग उनके विचारों और बातों से अत्यंत प्रभावित हुए। जिस जगह पर गुरु नानक जी ने उन गरीब और संत व्यक्तियों को भोजन खिलाया था वहां सच्चा सौदा नाम का गुरुद्वारा बनाया गया है। आखिर में अपनी 25 वर्ष की यात्रा के बाद श्री गुरु नानक देव जी करतारपुर, पंजाब के एक गाँव में किसान के रूप में रहने लगे और बाद में उनकी मृत्यु भी वही हुई। भाई गुरुदास जिनका जन्म गुरु नानक के मृत्यु के 12 वर्ष बाद हुआ बचपन से ही सिख मिशन से जुड़ गए। उन्हें सिख गुरुओं का प्रमुख चुना गया। उन्होंने सिख समुदाय जगह-जगह पर बनाया और अपने बैठक के लिए सभा बनाया जिन्हें धरमशाला के नाम से जाना जाता है। आज के दिन में धरमशालाओं में सिख समुदाय गरीब लोगों के लिए खाना देता है।



## बाल दिवस की हार्दिक बधाई !

पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहबाद में हुआ था। उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। नेहरू जी का बच्चों से बड़ा स्नेह था और वे बच्चों को देश का भावी निर्माता मानते थे। बच्चों के प्रति उनके इस स्नेह भाव के कारण बच्चे भी उनसे बेहद लगाव और प्रेम रखते थे और उन्हें चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। यही कारण है कि नेहरू जी के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसे नेहरू जयंती कहें या फिर बाल दिवस, यह दिन पूर्णतः बच्चों के लिए समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से बच्चों के लिए कार्यक्रम एवं खेल-कूद से जुड़े आयोजन होते हैं। बच्चे देश का भविष्य हैं, वे ऐसे बीज के समान हैं जिन्हें दिया गया पोषण उनके विकास और गुणवत्ता निर्धारित करेगा। यही कारण है कि इस दिन बच्चों से जुड़े विभिन्न मुद्दों जैसे शिक्षा, संस्कार, उनकी सेहत, मानसिक और शारीरिक विकास हेतु जरूरी विषयों पर विचार विमर्श किया जाता है। कई स्कूलों व संस्थानों में बाल मेला एवं प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं, ताकि बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को और बढ़ावा मिले। इस दिन विशेष रूप से गरीब बच्चों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने एवं बाल श्रम एवं बाल शोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया जाता है। बच्चे नाजुक मन के होते हैं और हर छोटी चीज या बात उनके दिमाग पर असर डालती है। उनका आज, देश के आने वाले कल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए उनके क्रियाकलापों, उन्हें दिए जाने वाले ज्ञान और संस्कारों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत का खयाल रखना भी बेहद जरूरी है। बच्चों को सही शिक्षा, पोषण, संस्कार मिले यह देशहित के लिए बेहद अहम है, क्योंकि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं।

अगर आप  
दुनिया भर के अलग-अलग जाति, धर्म और रंग-रूप के  
बच्चों को एक साथ ले आएंगे तो साथ खेलेंगे या शोर  
मचाएंगे,  
उनका शोर मचाना भी एक तरह का खेल है. बच्चे  
आपस में भेदभाव नहीं करते.  
-जवाहर लाल नेहरू





## स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले में शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

मैं नहीं तू , तू नहीं मैं

सदा करते हैं तू तू मैं मैं

करो कोई भी अच्छा काम

बढ़ाये जो भारत देश का नाम

देश की धरोहर पर है सबका अधिकार

फिर क्यों है इसकी सफाई से इनकार

नहीं है कोई बहुत बड़ा उपकार

बस करना है जीवन में बदलाव

शहर को मानकर घर अपना

निर्मल स्वच्छ है उसे भी रखना

कूड़े दान में फेंको कूड़ा

हर जगह न फेंको पुड़ा

थूकने को नहीं है धरती मैया

बदलो अपनी आदत भैया

न करो किसी पड़ोसी का इंतजार

देश है सबका बढ़ाओ स्वच्छता अभियान

स्वच्छ भारत मिशन बलिया

श्री संतोष कुमार मिश्र

( अधिशाषी अधिकारी )

( अध्यक्ष )



**Contact Us**



: [www.fageosystems.in](http://www.fageosystems.in)



: [info@fageosystems.in](mailto:info@fageosystems.in)

**Tel/Fax** : 01204349756